१. शिष्टाचारः (शिष्टाचार)

हरिः ओम।	हलो।
सुप्रभातम्।	सुप्रभात।
नमस्ते/नमस्कारः।	नमस्ते / नमस्कार।
शुभरात्रिः।	शुभरात्रि।
धन्यवादः।	धन्यवाद।
स्वागतम्।	स्वागत।
क्षम्यताम्।	क्षमा कीजिये / माफ कीजिये।
चिन्ता मास्तु।	कोई बात नहीं / जाने दो।
कृपया।	कृपया।
पुनः मिलामः।	फिर मिलेंगे।
अस्तु।	जी / जी हाँ / ठीक है।
श्रीमन्।	श्रीमान्। (Sir)
मान्ये/आर्ये।	श्रीमती। (Madam)
बहु समीचीनम्।	बहुत अच्छा।

२. मेलनम् (मेल-जोल)

भवतः नाम किम् ?	आप का नाम क्या है ? (पु॰)
भवत्याः नाम किम् ?	आप का नाम क्या है ? (स्त्री॰)
मम नाम '.....'।	मेरा नाम '.....'।
एषः मम मित्रं '.....'।	यह मेरा दोस्त '.....' है।
एतस्य नाम श्रुतवान्।	इनका नाम सुना है।
एषा मम सखी '.....'।	यह मेरी सखी '.....' है।

भवान् किम् (उद्योगं) करोति?	आप क्या कर रहे हैं? (पु॰)
भवती किम् (उद्योगं) करोति?	आप क्या कर रही हैं? (स्त्री॰)
अहम् अध्यापकः अस्मि।	मै अध्यापक हूँ। (पु॰)
अहम् अध्यापिका अस्मि।	मैं अध्यापिका हूँ। (स्त्री॰)

अधिकारी - अफसर	**उट्टङ्ककः** - टंकक
अभियन्ता - इंजीनियर	**प्राध्यापकः**- प्रोफेसर
लिपिकारः - लिपिक	**अधिवक्ता** - वकील
विक्रयिकः - सेल्समैन	**व्याख्याता** - लेक्चरर

अहं यन्त्रागारे कार्यं करोमि।	मैं कारखाने में काम करता हूँ।

कार्यालये - कार्यालय में	**महाविद्यालये** - कॉलेज में
वित्तकोषे - बैंक में	**चिकित्सालये** - अस्पताल में
उच्चविद्यालये - उच्चविद्यालय में	**यन्त्रागारे** - कारखाने में

भवान्/भवती कस्यां कक्षायां पठति?	तुम किस कक्षा में पढ़ते हो
अहं नवमकक्षायां पठामि।	मैं नवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।
अहं B.Sc कक्षायां पठामि।	मैं B.Sc में पढ़ रहा हूँ।
भवतः ग्रामः ?	आप का स्थान ?
मम ग्रामः	मैं.... का रहनेवाला/वाली हूँ।
कुशलं किम्?	आप कैसे हैं।
गृहे सर्वं कुशल किम्?	घर पर सब कुशल हैं?
अन्यः कः विशेषः?	और भी कुछ?
कुतः आगच्छति?	आप कहाँ से आ रहे हैं ?/रही हैं?

विद्यालयतः **गृहतः** **.....तः**	आगच्छामि।	स्कूल से घर से .....से	आ रहा हूँ। / रही हूँ?

कुत्र गच्छति?	कहाँ जा रहे हैं?

देवालयं **कार्यालयं** **विपणिं**	गच्छामि।	मंदिर दफ्तर बाजार	जा रहा हूँ।

किं मेलनं विरलं जातम्?	क्या बात है? बहुत कम मिलते हैं?
भवन्तं कुत्रापि दृष्टवान्।	आपको कहीं देखा है।
कुशली / कुशलिनी अस्मि।	कुशल/(ठीक) हूँ।
भवान् सम्भाषणशिबिरम् आगतवान् **किम्?**	क्या आप सम्भाषणशिबिर में आये थे?
तर्हि कुत्र दृष्टवान्?	तब कहाँ देखा होगा?
तर्हि तत्रैव दृष्टवान् स्याम्।	तो फिर वहीं देखा होगा।

३. सरल-वाक्यानि (सरल-वाक्य)

तथैव अस्तु।	जी हाँ (ऐसा ही हो)
जानामि।	जानता हूँ।
आम्, तत् सत्यम्।	जी, वह ठीक है।
समीचीना सूचना।	अच्छी सूचना है।
स्वल्पम् एव।	जरा-सा / थोड़ा-बहुत।
किमर्थं तद् न भवति?	वह क्यों नहीं होता है?
भवतु नाम।	जाने दीजिए।

ओहो! तथा किम्?	ओहो! वैसी बात है?
एवमपि अस्ति किम्?	ऐसा भी है क्या?
अथ किम्?	और क्या?
नैव किल।	नहीं तो।
भवतु।	ठीक है।
आगच्छतु।	आइए।
उपविशतु।	बैठिए।
सर्वथा न।	बिल्कुल नहीं।
किम् अन्यत्?	और क्या?
अस्तु किम्?	ऐसा करें?
किमर्थं श्रीमन्?	क्यों जी?
प्राप्तं खलु? मिला क्या?	
किम् भवति इति पश्यामः।	होगा क्या देखेंगे।
ज्ञातम्?	समझे?
कथम् आसीत्?	कैसा था / रहा?
अङ्गीकृतं **खलु?**	मान लिया न?
कति अपेक्षितानि?	कितने चाहिए?
अद्य एव किम्?	आज ही क्या?
इदानीम् एव किम्?	अभी ही क्या?
आगन्तव्यं भोः।	आना चाहिए।
तदर्थं किम्।	उसके लिए क्या।
तत् किमपि मास्तु।	कुछ नहीं चाहिए।
न दृश्यते?	नहीं दिखाई पड़ते?
समाप्तम्?	समाप्त?
कस्मिन् समये?	कितने बजे?
तथापि....।	फिर भी....।
आवश्यकं न आसीत्।	नहीं चाहिए था।

तिष्ठतु भोः।	जरा ठहरिए।
स्मरति खलु?	याद है न?
तथा किमपि नास्ति।	वैसी कोई बात नहीं है।
कथम् अस्ति भवान्?	आप कैसे हैं?
मा विस्मरतु।	भूलिए मत।
अन्यच्च....	और....
तदनन्तरम्....	उसके बाद....
तावदेव खलु?	उतना ही है न? (वही बात है?)
महान् आनन्दः।	मजा आ गया।
तथा न।	वैसा नहीं।
तस्य कः अर्थः?	इसके माने? (अर्थात्?)
आम्....	जी....
एवमेव....	यों ही....

४. सामान्यवाक्यानि

प्रयत्नं करोमि।	कोशिश करूंगा / करूंगी।
न शक्यते।	नहीं हो सकता।
तथा न वदतु।	ऐसा मत कहिये।
तत्र कोऽपि सन्देहः नास्ति।	उसमें कोई संदेह नहीं है।
तद् अहं न जानामि।	मैं वह नहीं जानता।
कदा ददाति?	कब दोगे?
अहं कथं वदामि?	कैसे कहूँ?
तथा भवति किम्?	वैसा होता है क्या?
भवतः समयः अस्ति किम्?	आप के पास समय है क्या?
अद्य भवतः कार्यक्रमः कः?	आज आपका क्या कार्यक्रम है?

अरे! पादस्य / हस्तस्य किम् अभवत्?	अरे! हाथ / पैर को क्या हुआ?
बहुदिनेभ्यः ते परिचिताः।	बहुत दिनों से वे परिचित हैं।
तस्य कियत् धैर्यं / धाष्ट्यं पश्यतु।	उसका ढ़िठाई तो देखो।
भवान् न उक्तवान् एव।	आपने तो कहा ही नहीं।
अहम् किं करोमि?	मैं क्या करूँ?
अहं न जानामि।	मैं नहीं जानता हूँ।
यथा भवान् इच्छति तथा।	जैसा आप चाहते हैं वैसा।
भवतु, चिन्तां न करोतु।	ठीक है, चिन्ता मत कीजिए।
तेन किमपि न सिद्ध्यति।	उससे कुछ नहीं होता।
सः सर्वथा अप्रयोजकः।	वह तो नालायक है।
प्रयोजनम् एव नास्ति।	बिल्कुल बेकार है।
पुनरमि एकवारं प्रयत्न कुर्मः।	फिर एकबार प्रयास करेंगे।
मौनमेव उचितम्।	चुप रहना अच्छा है।
तद्विषये अहं किमपि न वदामि।	उसके बारे में मैं कुछ नहीं कहूँगा।
विचिन्त्य एव वक्तव्यम्।	सोच कर ही बोलना चाहिए।
तर्हि समीचीनम्।	तब तो ठीक है।
एवं चेत् कथम्?	ऐसा हो तो कैसा?
मां किञ्चित् स्मारयतु।	मुझे जरा याद दिलाना।
तम् अहं सम्यक् जानामि।	उसे मैं अच्छी तरह जानता हूँ।
तदानीमेव उक्तवान् खलु?	तभी मैंने कहा था न?
कदा उक्तवान्?	कब कहा?
यत्किमपि भवतु।	चाहे कुछ भी हो।
सः बहु समीचीनः।	वह बहुत अच्छा है।
सः बहु रूक्षः।	वह बड़ा रूखा है।

तद्विषये चिन्ता मास्तु।	उस बात की चिन्ता न कीजिये।
तथैव इति न नियमः।	ऐसा कोई नियम नहीं है।
कर्तुं शक्यम्, किञ्चित् समयः अपेक्ष्यते।	कर सकते हैं, पर समय चाहिये।
एतावत् तु कृतवान्।	इतना तो किया।
द्रष्टुम् एव न शक्यते।	देख ही नहीं सकते।
तत्रैव कुत्रापि स्यात्।	वहीं कहीं होगा।
यथार्थं वदामि।	सच कहता हूँ।
एवं भवितुम् अर्हति।	ऐसा हो सकता है।
कदाचित् एवमपि स्यात्।	ऐसा हो सकता है।
किम् अहं तावदपि न जानामि?	क्या मैं इतना भी नहीं जानता?
कः न इच्छति?	कौन नहीं चाहता?
तत्र गत्वा किं करोति?	वहाँ जाकर क्या करोगे?
पुनः आगच्छन्तु।	फिर आईये।
मम कोऽमि क्लेशः नास्ति।	मुझे तो कोई कष्ट नहीं।
एतत् कष्टकरं न।	यह कठिन नहीं है।
किम् आनीतवान्?	क्या लाये हैं?
भवन्तं कः उक्तवान्?	आपको किसने कहा?
किञ्चिदनन्तरम् आगच्छेत्।	कुछ देर बाद आजायेंगे।
प्रायः तथा न स्यात्।	प्रायः वैसा नहीं होगा।
चिन्ता मास्तु, श्वः ददातु।	कोई बात नहीं, कल दीजिये।
अहं पुनः सूचयिष्यामि।	मैं फिर से बताऊँगा।
अद्य आसीत् किम्?	आज था क्या?
अवश्यम् आगमिष्यामि।	जरूर आऊँगा।
किम् नागराजः अस्ति?	क्या, नागराज है?
किमर्थम्, एवं जातम्?	ऐसा क्यों हुआ?

किम्, तत्र एव आसीत्?	क्या वहीं था?
कुतः आनीतवान्?	कहाँ से लाया?
अन्यत् किमपि कार्यं नास्ति।	और कोई काम नहीं है।
मम वचनं श्रृणोतु।	मेरी बात सुनिये।
एतत् सत्यं खलु?	यह तो सच है न?
तद् अहमपि जानामि।	वह मैं भी जानता हूँ।
तावद् आवश्यकं न।	उतना आवश्यक नहीं।
भवतः का हानिः?	आप का क्या बिगड़ा?
किमर्थम् एतावान् विलम्बः?	क्यों इतनी देर हुई?
यथेष्टम् अस्ति।	पर्याप्त/काफी है।
भवतः अभिप्रायः कः?	आपका आशय क्या है?
तस्य किं कारणम्?	उसका क्या कारण है?
स्वयमेव करोति किम्?	स्वयं करोगे क्या?
तत् मह्यं न रोचते।	मुझे वह पसंद नहीं है।
उक्तम् एव रटति सः।	वही रटता रहता है।
अन्यथा बहु कष्टम्।	अन्यथा बहुत कष्ट होगा।
किमर्थं पूर्वं न उक्तवान्?	पहले क्यों नहीं कहा?
स्पष्टं न जानामि।	ठीक से नहीं जानता हूँ।
निश्चयः नास्ति।	निश्चित नहीं है।
भवान् कुत्र आसीत्?	आप कहाँ थे?
भीतिः मास्तु।	डरो मत।
भयस्य कारणं नास्ति।	डरने की बात नहीं है।
तदहं बहु इच्छामि।	मैं वह बहुत चाहता हूँ।
कियत् लज्जास्पदम्!	कितनी लज्जास्पद बात है।
एषः मम दोषः न।	यह मेरा दोष नहीं है।
मम तु आक्षेपः नास्ति।	मेरा तो आक्षेप नहीं है।
सः शीघ्रकोपी।	वह तो तुनक मिजाज है।